



स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम



स्कूल सुरक्षा



परिचय:-

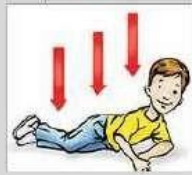
बच्चों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपना अधिकांश समय स्कूल में बिताएँ और उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित स्कूल अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। स्कूल उन छात्रों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल हो सकता है जो उन्हें धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौटने में मदद करता है। इसलिए, सुरक्षित स्कूल के पहलुओं पर काम करना जरूरी है।

आग लगने के दौरान अभ्यास अपनाएँ:-

Stop.



Drop.



Roll.



आग :-

आग लगने की स्थिति में क्या करें:-

- अलार्म की आवाज बजाएँ और प्रिंसिपल/हेडमास्टर को सचेत करें।
- आग के आसपास के क्षेत्र से सभी को बाहर निकालें।
- मौजूदा उपकरणों से आग बुझाएँ (केवल तभी जब ऐसा करना सुरक्षित हो)।
- कर्मचारियों, छात्रों और आगंतुकों को सामान लेने की अनुमति दें (केवल तभी जब ऐसा करना सुरक्षित हो)।
- अलर्ट के आसपास के क्षेत्र से सभी कर्मचारियों, छात्रों और आगंतुकों को व्यवस्थित तरीके से बाहर निकालें।
- सभी दरवाजे और खिड़कियाँ बंद कर दें और बिजली की आपूर्ति बंद कर दें।
- कक्षा रोल और अधिक छात्रों और आगंतुकों को निर्दिष्ट मार्गों से निर्दिष्ट सभा क्षेत्रों में एकत्रित करें।
- विकलांग या विशेष आवश्यकता वाले कर्मचारियों, छात्रों और आगंतुकों की सहायता करें।
- विद्यार्थियों को समूहों में इकट्ठा करें और सूची में से उनके नाम चिह्नित करें।
- छात्रों के साथ रहें और घटना नियंत्रक से आगे के निर्देशों की प्रतीक्षा करें।

- जब तक इवेंट कंट्रोलर द्वारा सलाह न दी जाए, तब तक इकट्ठा न हों।

भूकंप :-

अगर आपको भूकंप के झटके महसूस हों, तो आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या होगी?

- ✓ झूँप, कवर और होल्ड ऑन।



- शांत रहें, अगर आप घर के अंदर हैं तो अंदर ही रहें। अगर आप बाहर हैं तो बाहर ही रहें।

- यदि आप घर के अंदर हैं, तो इमारत के बीच में किसी दीवार के सहारे खड़े हो जाएँ, या भारी फर्नीचर (डेस्क या टेबल) के नीचे खड़े हो जाएँ।



- खिड़कियों और बाहरी दरवाजों से दूर रहें।
- अगर आप बाहर हैं, तो बिजली के तारों या गिरने वाली किसी भी चीज से दूर रहें। इमारतों से दूर रहें।
- माचिस, मोमबत्ती या किसी भी खुली लौ का इस्तेमाल न करें। टूटी हुई गैस लाइन को आग में न मिलाएँ।
- यदि आप कार में हैं, तो कार रोक दें और भूकंप रुकने तक कार में ही रहें।
- लिफ्ट का प्रयोग न करें।

भूकंप के बाद क्या करें?

- स्वयं और दूसरों को लगी चोटों की जांच करें।

- जरूरतमंद लोगों को प्राथमिक उपचार प्रदान करें।
- रेडियो चालू करें। जब तक कोई आपात स्थिति न हो, फोन का इस्तेमाल न करें।
- क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहें।
- टूटे हुए कांच और खतरनाक कचरे से सावधान रहें।
- अपने पैरों को चोट से बचाने के लिए बूट और मजबूत जूते पहनें।
- आपातकालीन योजना या प्रभारी व्यक्ति के निर्देशों का पालन करें।
- भूकंप के बाद भी झटकों की आशंका है।

चक्रवात / बाढ़:-

- चक्रवात-प्रभावित क्षेत्रों में, प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापकों को अपने स्थानीय राज्य से संपर्क करना चाहिए।
- आपातकालीन सेवाओं के साथ संपर्क स्थापित किया जाना चाहिए और प्रत्येक 'चेतावनी चरण' के तहत आवश्यक विभिन्न कार्यों से खुद को परिचित करना चाहिए।

- यदि बाढ़ जारी रहती है, तो यथाशीघ्र स्थानीय राज्य आपातकालीन सेवा (एस0ई0एस0) और शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क करें।
- यदि स्कूल अभी भी भरा हुआ है, तो छात्र और कर्मचारियों को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करें कि वे उसी क्षेत्र में हैं।
- जहां तक संभव हो, यह सुनिश्चित करें कि उच्च मूल्य वाले उपकरण और लोगों को बाढ़ के पानी से दूर रखा जाए।

- सुनिश्चित करें कि संभावित विद्युत खतरों को समाप्त कर दिया गया है (अर्थात पृथक विद्युत आपूर्ति) (केवल तभी जब ऐसा करना सुरक्षित हो)।
- बाकी लोगों को सुरक्षा प्रदान करते हुए सुरक्षित स्थान पर खड़ा होना चाहिए।
- किसी को भी बाढ़ के पानी में प्रवेश न करने दें।

भूस्खलन:-

- आप तत्काल खतरे में हैं।
- तुरंत प्रभावित जगह को खाली करें।
- पुलिस और अग्निशमन विभाग को बुलाएँ।

चेतावनी संकेत:-

- स्कूल से आवाज आ रही है।
- दीवारें और फर्श झुके हुए हैं।
- इमारत में दरारें सक्रिय रूप से खुल रही हैं।
- दरवाजे और खिड़कियाँ कुछ समय के लिए चिपक जाती हैं या अटक जाती हैं।
- बाहरी दीवार, संकरी गलियाँ और सीढ़ियाँ घर से दूर जाने लगती हैं।

स्कूल टीमों की भूमिका:-

- संभावित आपदा की स्थिति में आवश्यक योजना बनाने और कार्रवाई करने के लिए एक स्कूल आपदा प्रबंधन समिति (एस0डी0एम0सी0) का गठन किया जा सकता है।

1. आपदा जागरूकता समूह:-

- ✓ विभिन्न आपदाओं के दौरान क्या करें और क्या न करें, इस बारे में पोस्टर, पर्चे और विभिन्न सुझाव 'नुककड़ नाटकों' के माध्यम से प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
- ✓ जन जागरूकता के लिए प्रदर्शन आयोजित किए जाने चाहिए।

2. चेतावनी एवं सूचना प्रसार टीम:-

- ✓ विद्यालय के समक्ष आने वाले संभावित खतरों के बारे में जानकारी टी0वी0/रेडियो/इंटरनेट से नियमित अपडेट प्राप्त करना तथा निगरानी करना, जैसे बाढ़, भूस्खलन, चक्रवात के मामले में मौसम संबंधी अपडेट।
- ✓ आपातकालीन स्थिति में घंटी/सायरन बजाकर या सार्वजनिक संबोधन प्रणाली पर संदेशवाहक के माध्यम से स्कूल को सूचित करें।
- ✓ आपदा सुरक्षा सुझाव/जानकारी बनाएँ।

3. आपदा प्रतिक्रिया समूह:-

- ✓ खुले क्षेत्रों की पहचान करें जहां आपात स्थिति से निकल जाने के बाद लोग एकत्र हो सकें।
- ✓ प्रतिकूल मौसम के दौरान निकासी आवश्यक होने पर विकल्प विकसित करने में योजना समिति की सहायता करना।

4. खोज एवं बचाव दल:-

- ✓ सतह पर पीड़ितों को बचाने के लिए टीम के सदस्यों को नियमित प्रशिक्षण।

- ✓ प्राथमिक उपचार में दक्षता।
- ✓ आपदा के समय बचाव और तलाशी अभियान शुरू करना।
- ✓ घायलों के स्थान की सूचना प्राथमिक उपचार दल को देना।
- ✓ अन्य समस्याओं के स्थान की सूचना एस0डी0एम0सी0 को देना।

5. प्राथमिक चिकित्सा दल:-

- ✓ सुनिश्चित करें कि प्राथमिक चिकित्सा आपूर्ति, आपातकालीन कार्ड और स्वास्थ्य कार्ड अद्यतन और हमेशा पूर्ण हों।
- ✓ छात्रों/कर्मचारियों की विशेष चिकित्सा आवश्यकताओं के प्रति सजग रहें तथा यह सुनिश्चित करें कि स्कूल में कुछ दवाओं का स्टॉक (1-2 दिन की दवा) रखा जाए तथा उसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाए।
- ✓ खोजी अभियानों के दौरान खोज एवं बचाव दल के साथ प्राथमिक चिकित्सा दल के सदस्यों को नियुक्त करना।
- ✓ गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को निकालने में सहायता करना।

6. अग्नि सुरक्षा टीम:-

- ✓ सुनिश्चित करें कि अग्निशमन उपकरण (अग्निशामक यंत्र आदि) चालू हों और कर्मचारियों को उनके उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया हो।
- ✓ सभी गैर-संरचनात्मक भूकंपीय खतरों की पहचान करें जो आग का कारण बन सकते हैं (जैसे रासायनिक प्रयोगशालाएं, कैफेटेरिया रसोई, गर्म पानी के टैंक) और सुनिश्चित करें कि वे उचित रूप से सुरक्षित हैं।

7. साइट सुरक्षा टीम:-

- ✓ योजना समिति, स्कूल प्रशासकों और जिला अधिकारियों के साथ मिलकर एक रिहाई नीति तैयार करें और इस नीति के बारे में अभिभावकों और कर्मचारियों को सूचित करें।
- ✓ सभी प्रवेश और निकास बिंदु निर्धारित करें।

8. बस सुरक्षा टीम (प्रत्येक बस के लिए):-

- ✓ छात्रों के स्कूल आते-जाते समय भूकंप/आपदा की घटनाओं के लिए स्कूल की नीतियों को लागू करें।
- ✓ यदि बस और यातायात की स्थिति बसों के आवागमन की अनुमति देती है, तो सावधानी से आगे बढ़ें।



L
O
O
H
C
S A F E T Y

NDRF



सीपीआर की प्रक्रिया

C EMS फोन पर
P सीपीआर की कार्रवाई
R पुनः प्रयास करें



मदद के लिए पुकारें और EMS को सूचित करें



रक्त संचार, वायुमार्ग और श्वास की जांच करें।



यदि नाड़ी नहीं चल रही हो तो उस स्थान पर हाथ रखें और सी.पी.आर. शुरू करें।

CPR दरें नोट करें

वयस्क और बच्चा

दबाव -30 (100/min)
बचाव के सांस लेना -2
गंभीरता -2”



छोटे बच्चों

दबाव -30 (100/min)
बचाव श्वास-2 (Puff)
गंभीरता-1.5”



EMS आने तक CPR चक्र दोहराएँ.

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल

रक्तस्राव नियंत्रण



राष्ट्रीय आपदा मोचन बल

हमेशा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण जैसे लेटेक्स दस्ताने पहनें।



ड्रेसिंग लगाने से पहले घाव को जीवाणुरहित खारे पानी या साफ पानी से साफ करें।

घाव पर सीधा दबाव डालें।



घाव को हृदय के स्तर से ऊपर उठाएँ।

दबाव बिंदुओं पर दबाव डालें।



कीटाणुनाशक का प्रयोग करें और ड्रेसिंग लगाएं।



HOW SAFE IS MY SCHOOL?

मेरा स्कूल कितना सुरक्षित है?



मेरा स्कूल
कितना
सुरक्षित है?



आपदा न्यूनीकरण दिवस

प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला आपदा न्यूनीकरण दिवस आपदा जोखिम न्यूनीकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों और सरकारों को लचीलापन बनाने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य करता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीडीपी) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीपी) 10 अक्टूबर, 2012 को 'स्कूल सुरक्षा' विषय पर राष्ट्रीय फोकस दिवस (National Focus Day) का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयों में आपदा से सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाना तथा आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सुदृढ़ बनाना था।



स्कूल सुरक्षा क्यों गंभीर है?

- ✓ लगभग हर वर्ष सैकड़ों स्कूली बच्चे प्राकृतिक/मानव निर्मित आपदाओं से प्रभावित होते हैं।
- ✓ 2001 ऐसा माना जाता है कि गुजरात भूकंप में 971 छात्र और 31 शिक्षक मारे गए थे।
- ✓ 2004 के कुंभकोणम अग्निकांड में 1,884 इमारतें ढह गईं, 94 बच्चों की मौत हो गई थी।
- ✓ 1997 में उत्तरी दिल्ली में यमुना नदी में एक बस गिरने से 24 बच्चों की मौत हो गई थी।
- ✓ 1995 डबवाली अग्निकांड में 100 से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी।
- ✓ इससे संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक हस्तक्षेपों के माध्यम से स्कूल की भेद्यता को कम करना अनिवार्य हो जाता है।

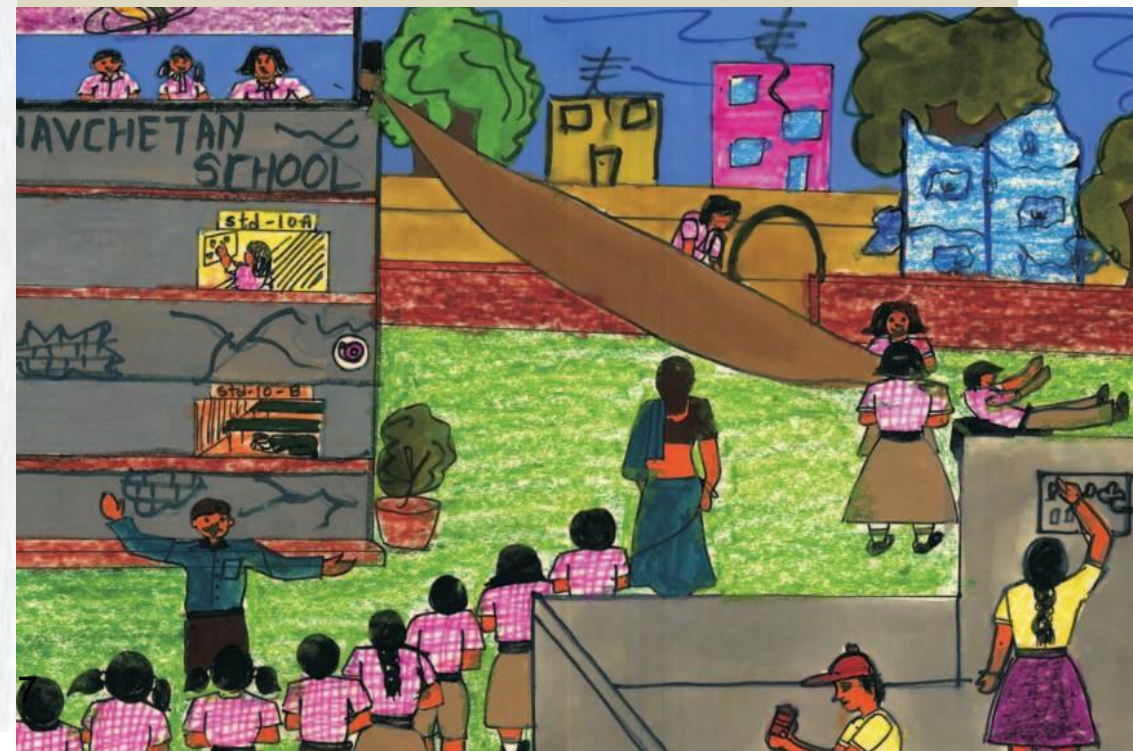
स्कूल सुरक्षा योजनाएं इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं!

मेरा स्कूल कितना सुरक्षित है?

स्कूल सुरक्षा : मुख्य बिंदु

- ❖ आपदा जागरूकता बढ़ाना।
- ❖ खतरा, भेद्यता और जोखिम विश्लेषण।
- ❖ संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक सुरक्षा।
- ❖ सुविधा और संसाधन मानचित्रण।
- ❖ स्कूल आपदा प्रबंधन समिति और टास्क फोर्स का गठन और प्रशिक्षण।
- ❖ चेतावनी प्रणाली।
- ❖ स्कूल के नक्शे, निकासी योजनाएं, और तैयारी गतिविधियों के कैलेंडर।
- ❖ मॉक ड्रिल।
- ❖ आपदाग्रस्त बच्चों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता।
- ❖ विकलांगता और लिंग-आधारित आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए।
- ❖ स्कूल आपदा प्रबंधन योजना और आपदा जोखिम लेखा परीक्षा की आवधिक समीक्षा।

सभी स्कूलों में स्कूल सुरक्षा योजनाएं बनाना देश भर के उन स्कूलों को, जो प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, स्कूल सुरक्षा योजनाएं बनाने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस योजना के तहत चयनित स्कूलों को पुरस्कृत किया जाता है।



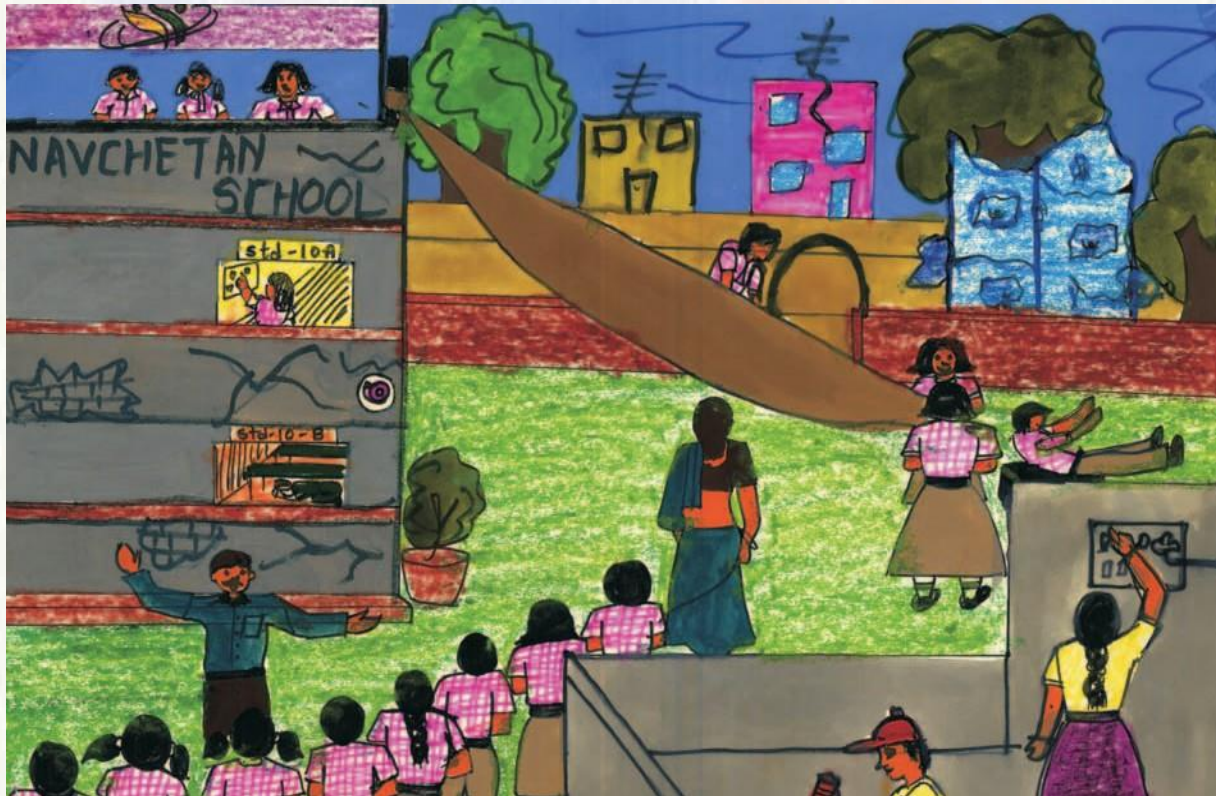
स्कूल को सुरक्षित बनायें

आपदा कभी भी आ सकती है।
इसलिए इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, सावधानी बरतें।

स्कूल सुरक्षा क्यों आवश्यक है?

हर साल भूकंप, बाढ़, आग और अन्य आपदाओं से सैकड़ों बच्चे प्रभावित होते हैं।

- 1995 में डबवाली (हरियाणा) में स्कूल शुरू किया।
- आग में लगभग 200 छात्र मारे गये।
- 2001 के भुज भूकंप में 971 छात्रों और 31 शिक्षकों की मौत हुई थी।
- 2004 में कुंभकोणम (तमिलनाडु) में आग दुर्घटना में 94 बच्चों की मृत्यु हो गई।
- दिल्ली में यमुना नदी में बस गिरने से 24 बच्चों की मौत।
- 2004 की सुनामी में हजारों छात्र और शिक्षक मारे गए, घायल हुए या प्रभावित हुए।
- 2007 में केरल में एक स्कूल यात्रा के दौरान हुई नाव दुर्घटना में 15 छात्रों और 3 शिक्षकों की मौत हो गई।
- इसके लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक हस्तक्षेपों के माध्यम से स्कूल सुधार की आवश्यकता है।
- भेद्यता को कम करना आवश्यक हो जाता है।
- स्कूल के नक्शे, निकासी योजनाएँ और तैयारी गतिविधियों का कैलेंडर, मॉक ड्रिल, आपदाओं में बच्चों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता, विकलांगता और लिंग-आधारित आवश्यकताओं को ध्यान में रखना, व्यापक स्कूल आपदा प्रबंधन योजना की आवधिक समीक्षा और लेखा परीक्षा अतिआवश्यक है।



स्कूल सुरक्षा: मुख्य बिंदु

- आपदा जागरूकता बढ़ाना।
- खतरा, भेद्यता और जोखिम मूल्यांकन।
- संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक सुरक्षा सुविधाएँ और संसाधन मानचित्रण।
- स्कूल आपदा प्रबंधन समितियों और कार्य बलों का गठन और प्रशिक्षण।
- चेतावनी तंत्र।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल



भूकंप से लोग नहीं मरते, बल्कि बिना इंजीनियरिंग वाली इमारतों ज्यादा लोगों को मारती हैं

भूकंप से पहले:

- अपने क्षेत्र के भूकंपीय क्षेत्र को अच्छी तरह से जानें, अपने घर की रेड्रोफिटिंग (यदि कोई हो) का आकलन करें और भारतीय मानक कोड (आ0ई0एस0: 1893-2002) के अनुसार अपने घर को भूकंपरोधी बनाने के लिए एक विशेषज्ञ सिविल इंजीनियर की सहायता सुनिश्चित करें (विवरण www.bis.org.in और www.bmtpc.org पर उपलब्ध है)
- दो 'सुरक्षित' जगहें चुनें जहाँ पहुँचना आसान हो। ये किसी मजबूत मेज या डेस्क के नीचे या किसी अंदरूनी दीवार के पास हो सकती हैं। हर सुरक्षित जगह पर महीने में कम से कम एक बार ड्रॉप, कवर और होल्ड का अभ्यास करें।
- घर, स्कूल या कार्यस्थल पर भूकंप के बारे में बुनियादी सुरक्षा सावधानियों को साझा करने और सीखने के लिए बैठकें/सेमिनार आयोजित करें।
- भूकंप से बचाव के लिए अपनी किट साथ रखें। इसमें कम से कम तीन दिनों तक आपकी सुरक्षा और आराम के लिए सभी जरूरी चीजें होनी चाहिए। आज तक भूकंप की भविष्यवाणी नहीं की गई है। अफवाहें न सुनें और न ही फैलाएँ।



भूकंप के दौरान

- शांत रहें! अगर आप बिस्तर पर हैं, तो तकिये से सिर ढककर वहीं रहें। (अधिक जानकारी के लिए, www.imd.gov.in और अन्य ऑनलाइन सेवाओं/नेटवर्क पर जाएँ)।
- अगर आप बाहर हैं, तो इमारतों, पेड़ों, स्टोट लाइटों और बिजली के तारों से दूर एक साफ जगह ढूँढ़ें। जमीन पर लेट जाएँ और कंपन रुकने तक वहीं रहें।
- अगर आप किसी गाड़ी में हैं, तो किसी खाली जगह पर गाड़ी रोककर रुकें और कंपन रुकने तक सीट बेल्ट बांधकर वहीं रहें। भूकंप से क्षतिग्रस्त हुए पुलों, फ्लाईओवरों या रैपों से बचें।
- ऊँची इमारतों में, फायर अलार्म और स्प्रिंकलर बजने की उम्मीद रखें। छोटी-मोटी आग लगने पर तुरंत जाँच करें और उसे बुझा दें। अगर आपको बाहर निकलना पड़े, तो लिफ्ट का इस्तेमाल न करें, बल्कि सीढ़ियों का इस्तेमाल करें और बाहर निकलने में जल्दबाजी न करें।
- यदि आप तटीय क्षेत्रों में हैं, तो ऊँचे स्थानों पर चले जाएँ और सुनामी की चेतावनियों पर ध्यान दें (विवरण www.incois.gov.in और www.mha.gov.in पर उपलब्ध है)।



भूकंप के बाद

- अपने और दूसरों को लगी चोटों की जांच करें और अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को फोन करने के लिए अपने टेलीफोन का उपयोग न करें, केवल चिकित्सा सहायता के लिए कॉल करें, सावधानी से आगे बढ़ें और आसपास अस्थिर वस्तुओं की जांच करें।
- आपातकालीन जानकारों और सुरक्षा मार्गदर्शन के लिए रेडियो, टीवी सुनें (अधिक जानकारी के लिए www.ndma.gov.in और www.nidm.gov.in देखें)।
- गिरी हुई बिजली की लाइनों या टूटी हुई गैस लाइनों पर नजर रखें और क्षतिग्रस्त क्षेत्रों से दूर रहें। अगर कंपन जारी रहे, तो आपटरशॉक की आशंका है।
- क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहें। तेज झटके इमारतों को और नुकसान पहुंचा सकते हैं और कमजोर ढांचों को ढहा सकते हैं।
- क्षतिग्रस्त क्षेत्र के आसपास अपनी बाइक/कार का उपयोग न करें।
- भूकंप के बाद अपने परिवार से मिलने के लिए एक योजना बनाएं या यदि आपको अपना घर खाली करना पड़े तो उन्हें संदेश देकर बताएं कि आप कहां जा रहे हैं।
- क्षति का आकलन करें और छत, बीम, स्तंभों और नींव में किसी भी गहरी दरार की मरम्मत करें।



राष्ट्रीय आपदा मोचन बल

बीच में क्या

भूकंप



DCH-

D-Duck: झुक जाएं (Jhuk Jaayen)

C-Cover: नीचे छिपें (Neeche Chhipen)

H-Hold: पकड़े रहें (Pakde Rahen)



D

आप जहां भी हों, अपने हाथों और घुटनों के बल बैठ जाएं।

C

अपने सिर और गर्दन को अपने हाथों से ढक लें और किसी मेज के नीचे छिप जाएं या खिड़की से दूर किसी मुख्य दीवार के पास रेंगकर चले जाएं।

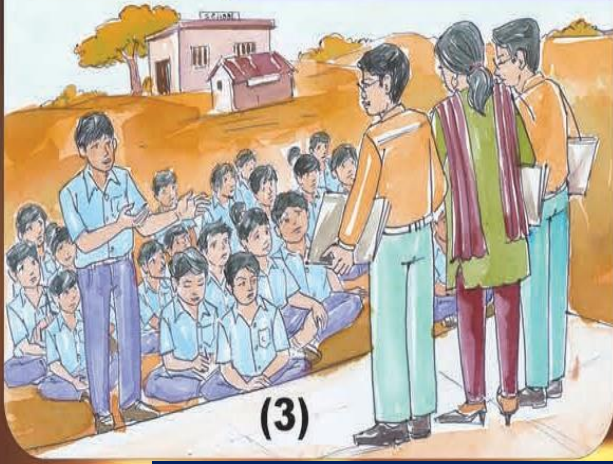


H

मेज/आश्रय के पैरों को मजबूती से पकड़ें। जब तक कंपन बंद न हो जाए, तब तक उसके साथ चलने के लिए तैयार रहें।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल

नियत स्थान पर एकत्रित होना



(3)

टीम के सदस्यों द्वारा अग्निशमन सेवाओं को रिपोर्ट करना

और बचाव कार्य करना

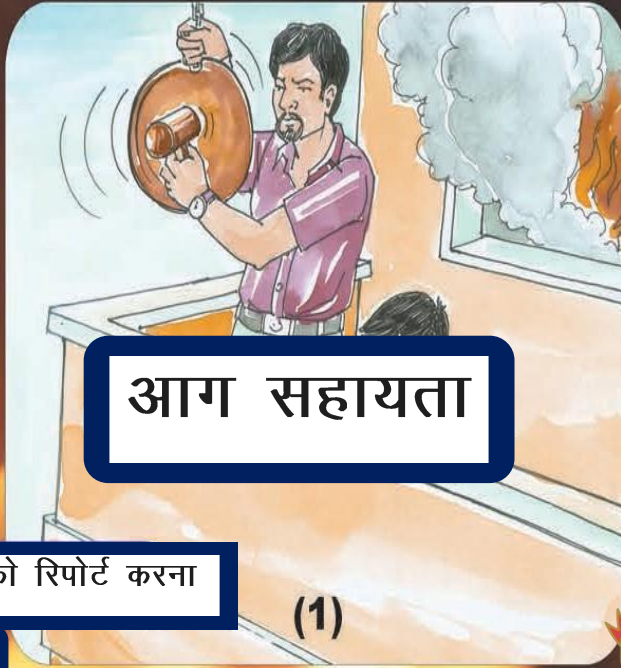


(4)

सिरों की गिनती



आग सहायता



(1)



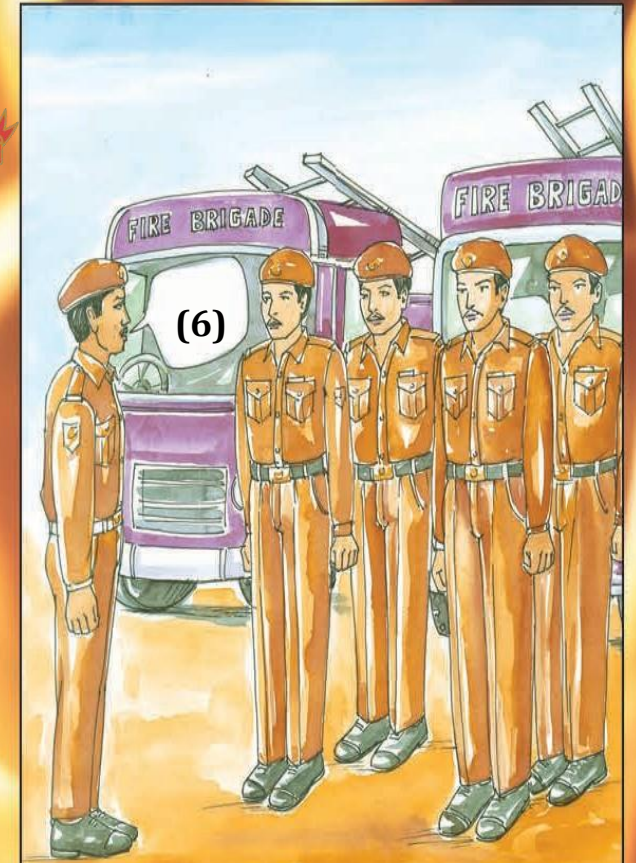
पर्यवेक्षित साइट निकासी



(2)

NDRF

स्कूलों के लिए अग्नि सुरक्षा अभ्यास आयोजित करना



(6)

सभी टीमों को सक्रिय करना



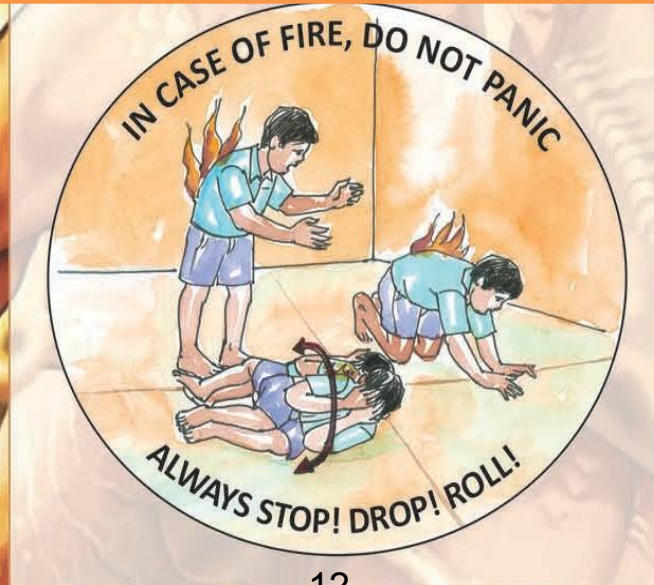
सामान्य अग्नि सुरक्षा और संरक्षण युक्तियाँ

- स्कूल के लिए एक अग्नि आपातकालीन योजना विकसित करें और सुनिश्चित करें कि हर कोई इसे जानता हो।
- अपने स्कूल को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा भवन निर्माण नियमों का पालन करें।
- आपातकालीन स्थिति में फायर अलार्म सेट करें (मैन्युअल अलार्मिंग सिस्टम का अभ्यास करें) और आग लगने की स्थिति में सभी को सचेत करें।
- सामान्य समय में अपनी आंखें बंद करके अपने भागने के रास्ते पर चलने का अभ्यास करें।
- हमेशा किसी भी अवरोध से बचने के लिए अपने भागने/निकलने के रास्तों को साफ रखें।
- भंडारण और कार्य क्षेत्र को कूड़े से मुक्त रखें। कैफेटेरिया के कर्मचारियों को रसोई में काम करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।
- किसी भी आपात स्थिति के लिए हमेशा एक प्राथमिक चिकित्सा किट तैयार रखें। प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स को सुलभ स्थान पर रखें।
- केरोसीन, गैस सिलेंडर आदि ज्वलनशील पदार्थों को छात्रों की पहुंच से दूर रखें।
- आग लगने की स्थिति में, बिजली के उपकरणों को तुरंत बाहर निकाल दें।
- सामान्य समय में पुरानी तारों और टूटी हुई विद्युत फिटिंग पर ध्यान दें।
- किसी भी खतरनाक स्थिति की सूचना अपने इलेक्ट्रीशियन को दें।
- अग्निशामक यंत्रों को कार्यशील स्थिति में रखें और उन्हें चलाना सीखें।
- छात्रों को अग्नि सुरक्षा नियम सिखाएँ।

- बिना घबराये कक्षाओं से बाहर निकलें और शांत रहें।

आग लगने की स्थिति में:

- अपनी और अपने दोस्तों की सुरक्षा करें – शांत रहें, घबराएं नहीं।
- अलार्म बजाएं और सभी को सचेत करें।
- निकटतम या आपातकालीन निकास का उपयोग करें।
- अपने पीछे सभी दरवाजे और खिड़कियाँ बंद कर लें।
- सीढ़ियों का प्रयोग करें, लिफ्ट का प्रयोग न करें।
- कभी भी खड़े न रहें, बल्कि हमेशा जमीन पर नीचे की ओर रेंगें और अपना चेहरा ढकें।
- तेज आवाज करके बचाव दल का ध्यान आकर्षित करें।



अगर किसी को आग लग जाए:

- हमेशा रुकें, गिरें और लुढ़कें। आग बुझाने के लिए जमीन पर लोटें।
- किसी भी अग्नि आपातस्थिति के लिए, अग्निशमन सेवाओं को तुरंत 101 नंबर पर कॉल करें, जो कि निःशुल्क है, और निम्नलिखित बातों को याद रखें:
- अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना देते समय शांत रहें।
- कॉल करने वाले को नाम और सही पता बताएं।
- संपर्क नंबर दीजिए।
- आपातकाल के प्रकार के बारे में जानकारी प्रदान करें – आग की प्रकृति और उसका स्रोत।
- आस-पास के स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करें।
- घटनास्थल तक पहुंचने के लिए सबसे छोटे और सबसे सुगम मार्ग की जानकारी प्रदान करें, जिससे अग्निशमन सेवाओं को वहां पहुंचने और अपना कार्य कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी।
- सभी आपातकालीन सहायता कार्यों के नंबर प्रदर्शित करें तथा सभी मंजिलों और रणनीतिक स्थानों पर निकासी मानचित्र लगाएं।
- हमेशा अपने आप को, अपने दोस्तों को और अपने स्कूल को सुरक्षित रखें।

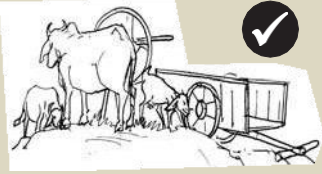
करें

बाढ़

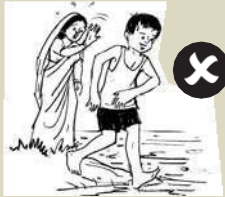
- यदि आप बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में हैं तो सीमेंट से ऊंचा और मजबूत घर बनाएं।
- परिवार के सभी सदस्यों को निकटतम सुरक्षित आश्रय के बारे में पता होना चाहिए।
- बाढ़ के दौरान पीने के लिए उबला हुआ या क्लोरीनयुक्त पानी इस्तेमाल करें।
- भोजन को ढककर रखें और हल्का भोजन करें।



- दस्त होने पर चाय, चावल का सूप और नारियल का पानी पिएं।
- बाढ़ के दौरान जानकारी, चेतावनियों और निर्देशों के लिए रेडियो या टेलीविजन सुनें।
- सूखा भोजन, पानी, दवा, मोमबत्ती, माचिस, टॉर्च और मिट्टी का तेल अपन साथ एक आपातकालीन किट रखें।
- अगर आपको घर खाली करना पड़े, तो कपड़े और महंगी चीजें पॉलीथीन/वाटरप्रूफ बैग में रखें।
- पशुधन, पालतू जानवर, मशीनें, बैलगाड़ियां और आवश्यक वस्तुएं इसे सुरक्षित स्थान पर ले जाओ।
- बाढ़/नदी पार करने से पहले अपने सामने की जमीन की मजबूती की जांच करने के लिए लकड़ी की छड़ी का प्रयोग करें।



न करें



- बच्चों को बाढ़ के पानी के पास बाहर या खेलने न दें।
- यदि आपको पानी की गहराई का पता न हो तो बाढ़ के पानी को पार करने का प्रयास न करे।
- जैसे ही बाढ़ का पानी घर में प्रवेश करे, तुरंत सभी बिजली के कनेक्शन बंद कर दें।
- बिजली के उपकरणों का उपयोग तब तक न करें जब तक उनकी जांच न कर ली जाए।
- बाढ़ के पानी से प्रभावित भोजन/सामग्री का सेवन न करें।
- घबराएं नहीं और अफवाहों पर ध्यान न दें।

